गुड़ामालानी के कृषि विज्ञान केन्द्र पर किसान जागरूकता कार्यक्रम

कम पानी से अधिक फसल उत्पादन करने के तरीके अपनाएं किसान: डॉ. यादव

भास्कर संवाददाता | बाड़मेर

कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी पर केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर एवं चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निदेशक डॉ. हेमा यादव ने इस दौरान किसानों को बताया कि आज के समय में कृषि विपणन की समस्या बहुत बड़ी है। जिसके लिए किसानों को समूह बनाकर समाधान करना होगा और एफपीओ का गठन करने के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने एफपीओ से होने वाले फ़ायदे के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए काजरी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनुराग सक्सेना ने जल उत्पादकता तथा विभिन्न फसलों में पानी की उपयोग क्षमता के बारे में बताते हुए जल बजट के हिसाब से खर्च कर पैदावार बढ़ाने की जानकारी दी।

बाड़मेर. कृषि विज्ञापन केंद्र पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित किसान।

डॉ. आर के गोयल ने वर्षा जल संग्रहण एवं प्रबंधन की चर्चा करते हुए कहा कि जिला प्रारंभ से ही वर्षा जल की बचत करता आया है पर अब परम्परागत एवं वैज्ञानिक ज्ञान को एक साथ मिलाकर पानी की बचत करनी है ताकि आने वाले समय में कम पानी से अधिक पैदावार कर सकें। डॉ. एनआर पंवार ने मृदा पानी एवं पोषक तत्व के प्रबंधन के बारे में बताते हुए विभिन्न पोषक तत्वों की कमी के लक्षण एवं उस आधार पर उर्वरक प्रयोग की सलाह देते हुए कहा कि अंधाधुंध रसायन की जगह अनुशंसित दर के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करने की आवश्यकता है ताकि मृदा स्वास्थ्य एवं पोषण बराबर बना रहे। केन्द्र प्रभारी डॉ. प्रदीप पगारिया ने आए हुए सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए मृदा एवं जल परीक्षण का तरीका बताते हुए कम लागत में अधिक पैदावार के गुर बताए तथा साथ ही उन्होंने कहा कि इस आर्थिक युग में कृषि को व्यवसाय बनाने की जरूरत है जिससे किसानों की आय बढ़ा सके।